Shanti Path Meaning

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदम् पूर्णात् पूर्णमुदच्यते |
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते ||
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिही: ||

ॐ: → अ + ऊ + म

(पूर्णमदः → पूर्णम + अदह → पूर्णम = पूर्ण + अदह = वह)

पूर्णमदः = वह पूर्ण है

(पूर्णमिदं → पूर्णम + इदं → पूर्णम = पूर्ण + इदं = यह)

पूर्णमिदं = यह पूर्ण है |

पूर्णात = पूर्ण से |

(पूर्णमुदच्यते → पूर्णम + ऊदच्यते → पूर्णम = पूर्ण + ऊदच्यते = प्रकट हुआ)

पूर्णमुदच्यते = पूर्ण प्रकट हुआ |

(पूर्णस्य → पूर्ण + अस्य → पूर्ण + अस्य = से)

पूर्णस्य = पूर्ण से |

(पूर्णमादाय → पूर्णम + आदाय → पूर्ण + आदाय = निकाल लेना)

पूर्णमादाय = पूर्ण निकाल लेने पर

(पूर्णमेवावशीषस्यते → पूर्णम + इव + वशिष्यते → पूर्ण + इव = केवल + वशिष्यते = विद्दमान रहता है)

पूर्णमेवावशीषस्यते = केवल पूर्ण ही विद्दमान रहता है

ॐ: शांतिः शांतिः शान्तिही |

वह पूर्ण है | यह पूर्ण है | पूर्ण से पूर्ण प्रकट हुआ | पूर्ण से पूर्ण निकाल लेने पर केवल पूर्ण ही विद्दमान रहता है |

Om poornamadah poornamidam poornaat poornamudachyate |
Poornasya poornamaadaaye poornamewaavashishsyate ||
Om shaanti shaanti shaantihee |

Om → A + Oo + M

(Poornamadah → Poornam + Adah. (Poornam=Complete) + (Adah = that))

Poornamadah = that is complete.

(Poornamidam → Poornam + idam. (Poornam = Complete) + (idam = this))

Poornamidam = this is complete.

Poornaat = from complete

(Poornamudachyate → Poornam + Udachyate. (Poornam = Complete)

+ (Udachyate = has emerged))

Poornamudachyate = comes complete

(Poornayasa → Poorna + Asya. (Poornam = Complete) + (Asya = from))

Poornasya= (If) From complete

(Poornamaadaaye → Poornam + Adaaya. (Poornam = Complete)

+ (Adaaya = remove))

Poornamaadaaye = Complete is removed (then)

(Poornamewawashishyate → Poornam + Eva + Vashishyate. (Poornam = Complete) + (Eva = Only) + (Vashishyate = remains))

Poornamewawashishyate = Only the Complete remains.

Om shaanti shaanti shaantihee

Om. That is complete. This is complete. From complete comes complete. If from complete, complete is removed (then) only the Complete remains.

Gayatri Mantr

गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः ।
तत्सवितुर्वरेण्यम् भर्गो देवस्य धीमहि ।
धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

(ॐ=ओऽम्=ओ३म् -) यह परमेश्वर का नाम है। यह नाम सर्वोत्तम है। इससे ईश्वर के सब नामों का बोध होता है। (भूः -) स्वयं सुख स्वरूप अपने उपासकों को सर्वदा सब सुखों की प्राप्ति कराने वाला है। (सवितः -) सब जगत की उत्पत्ति करने वाले सूर्यादि प्रकाशकों के भी प्रकाशक अथवा समग्र ऐश्वर्य के दाता। (देवस्य -) सब के आत्माओं के प्रकाशक, कामना करने योग्य सर्वत्र विजय कराने वाले परमात्मा का जो (वरेण्यं -) अति श्रेष्ठ ग्रहण और ध्यान करने योग्य (भर्गः -) सब क्लेशों को भस्म करने वाला पवित्र शुद्ध स्वरूप है (तत् -) उसको (धीमहिः -) हम लोग धारण करें। (यः -) यह पूर्वोक्त सविता परमात्मा (नः -) हमारी (धियः -) बुद्धियों को उत्तम गुण, कर्म स्वभावों में (प्रचोदयात् -) प्रेरणा करें अर्थात कृपा करके सब बुरे कामों से अलग करके सदा अच्छे कामों में प्रवृत्त कर इसी प्रयोजन के लिए इस परमात्मा की स्तुति, प्रार्थना, उपासना करना और इससे भिन्न किसी अन्य को उसके तुल्य या उससे अधिक उपास्य इष्टदेव नहीं मानना चाहिए।

- महर्षि दयानन्द सरस्वती

Gayatri Mantra

Om Bhur Bhuvaḥ Swaḥ
Tat-savitur Vareñyaṃ
Bhargo Devasya Dhīmahi
Dhiyo Yonaḥ Prachodayāt

Om. **Bhur**: the physical body/physical realm; **Bhuvah**: the life force/the mental realm; **Suvah**: the soul/spiritual realm; **Tat**: That (God); **Savitur**: the Creator (source of all life); **Vareñyam**: adore; **Bhargo**: effulgence (divine light); **Devasya**: supreme Lord; **Dhīmahi:** meditate; **Dhiyo**: the intellect; **Yo**: May this light; **Nah**: our; **Prachodayāt**: illumine/inspire.

Oh Bhagwaan, the protector, the basis of all life, Who is self-existent, Who is free from all pains and Whose contact frees the Atma from all troubles, Who pervades the Universe and sustains all, the Creator and Energizer of the whole universe, the Giver of happiness, Who is worthy of acceptance, the most excellent, Who is Pure and the Purifier of all, let us embrace that very Bhagwaan, so that He may direct our mental faculties in the right direction.